KUMARI CHANDRIKA PREMJI KENIA: Mr. Chairman, Sir, I have gone through the statement made by the hon. Minister. The statement made by the Minister reflects a sorry state of affairs of the blood banks operating in the country. The very first sentence in the statement suggests that out of 1018 blood banks in the country, 616 are operating without licences. I am right now not asking about whether unlicensed blood banks are operating in the country as a lot of discussion has already ensued regarding this aspect of the blood bank. I would like to draw the attention of the hon. Minister to the last paragraph of the statement where the Minister as assured the House that a vigorous movement for promoting voluntary blood donation will be launched from next year onwards. I would like to know from the hon. Minister as to what steps, what measures he is adoptirg to see that there is a really vigorous movement to donate blood voluntarily. That is part (a) of my question. Part (b) is, are you going to have publicity campaign through media like T.V., Radio and newspapers to suggest to the public to donate blood voluntarily ? I would request the Minister that in his reply he should assure the House that at least once in a month, he would donate blood and the other MPs should also follow it.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : पहले ही मंत्री जी का खून सूख गया ... (**व्यवधान**)

श्री सभापति : आप इंटरफियर करोगे तो यही होगा, आपको ब्लड देना पड़ेगा ... (**व्यवधान**) आप बीच में ही... (**व्यवधान**) उनको बोलने दीजिए... (**व्यवधान**)

श्री शंकर दयाल सिंह : मंत्री महोदय को आज इनकी बात मान लेनी चाहिए। फोतेदार जी, आज आपको उनकी बात मान लेनी चाहिए... (**व्यवधान**)

श्री सभापति : बात मान ली है, शंकर दयाल सिंह जी आज ही, अभी ब्लड बैंक जा रहे हैं।

श्री एम. एल. फोतेदार : हां, शंकर दयाल जी जा रहे हैं ब्लड बैंक।

श्री शंकर दयाल सिंह : जो माननीय सदस्या ने पूछा है, आपको इस बात को स्वीकार कर लेना चाहिए क्योंकि कल ये मांगलिक प्रणय में बंधने जा रही हैं। आज इनकी बात को मानना हमारा कर्त्तव्य होता है।

श्री एम. एल. फोतेदार : मैं ऑनरेबल मेंबर शंकर दयाल सिंह जी को इस बात का यकीन देना चाहता हूं कि कल से ये सवाल मुझे पूछेगी नहीं (**व्यवधान**)

So far as this question about briefing the public about the blood banks is concerned, I can tell the hon. Member that we are going to launch a massive/publicity campaign both through the electronic media as well as through the Press.

दूषित पानी के इस्तेमाल से बीमारियां

*362. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हाल ही में दिल्ली में दूषित पानी के इस्तेमाल से फैली बीमारियों का तथा उन क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है जहां ये बीमारियां फैली हैं; और

(ख) इन्हें रोकने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी. के. तारादेवी सिद्धार्थ): (क) और (ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) चालू वर्ष 1992 से आज तक महरौली के निकट असोला गांव में लगभग 100 व्यक्तियों के बुखार और उल्टी से पीड़ित होने की सूचना प्राप्त हुई जिनमें से 10 रोगियों को अस्पताल में दाखिल कराया गया था। इनमें से अधिकतर रोगियों को अस्पताल में मियादी बुखार के लिए उपचार किया गया।

इस अवधि के दौरान दिल्ली विकास प्राधिकरण की कालौनी प्रीतमपुरा से पीलिया के 54 रोगियों की सूचना प्राप्त हुई।

यद्यपि जठरांत्रशोथ के कुछ रोगियों की भी सूचना प्राप्त हुई है तथापि किसी विशेष इलाके में कोई रोगी-समूहन नहीं पाया गया है। इस अवधि के दौरान दिल्ली में हैजे के किसी रोगी की सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

(ख) मियादी बुखार के रोगियों के संबंध में पानी के स्रोतों से कुछ नमूने लेने के लिए डाक्टरों और तकनीकी कर्मचारियों का एक दल भेजा गया, टाइफाइड के विरुद्ध रोगप्रतिरक्षण का कार्य शुरू किया गया और पानी में उपयुक्त क्लोरीनीकरण की जांच की गई। पानी के टैंकरों के माध्यम से पेय-जल की आपूर्ति की गई।

पीतमपुरा में पीलिया के रोगियों के संबंध में पी. वी. सी. पाइपों में रिसाव होने के कारण पानी के दूषित होने का पता लगा। इसकी रोकथाम के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण ने अब इन रिसावों को बंद कर दिया है। दिल्ली नगर निगम ने पानी का क्लोरीनीकरण कर दिया है। क्लोरीन की मात्रा के पॉजीटिव होने की सूचना प्राप्त हुई है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, ऐसे जलवाहक रोगों को रोकने के लिए सामान्य तौर पर आवश्यक निगरानी और मॉनीटरिंग पीने के साफ पानी की आपूर्ति, मानव मल और कूड़ा-करकट के सुरक्षित निपटान, पर्यावरणिक स्वच्छता में सुधार और स्वास्थ्य-शिक्षा के प्रसार जैसे सामान्य उपाय दिल्ली प्रशासन द्वारा किए जा रहे हैं।

इस प्रकोप पर अब नियंत्रण पा लिया गया है।

श्री शंकर दयाल सिंह: सभापति जी, दिल्ली महानगर समस्याओं से भरी हुई है और प्रदूषण की समस्या केवल दिल्ली और भारत की समस्या नहीं है, पूरे विश्व की यह गंभीर समस्या है। जो सरकार ने हमारे सामने उत्तर प्रस्तुत किया है, उससे पता चलता है कि सरकार भी इस बात को स्वीकार करती है कि प्रदूषित जल के कारण दिल्ली के कई इलाकों में बीमारियां फैली हैं और स्वयं यह मानते हैं कि महरौली से लेकर पीतमपुरा तक दूषित जल के प्रयोग के कारण बीमारियां फैली हैं, लोग अस्पतालों में गए हैं। मेरी रिपोर्ट है कि इसी तरह से शाहदरा, गांधीनगर, पंजाबी बाग, रोहिणी तथा अन्य इलाकों में भी इससे बीमारियां फैलती रही हैं। मैं सरकार से जानना चाहता हूं और इस आशा के साथ जानना चाहता हूं कि स्वास्थ्य मंत्री जैसे स्वस्थ और प्रसन्न दिखाई देते हैं, वैसे ही दिल्ली के नागरिक भी स्वस्थ और प्रसन्न दिखाई दें, इसके लिए आप कृपया यह बताइए कि दिल्ली में प्रतिदिन पेयजल के लिए कितने गैलन

पानी की जरूरत होती है? उसमें कितना ऐसा पानी है जो कि परिशोधित होकर आप सप्लाई करते हैं और कितने पानी की मात्रा उतनी है जो बिना किसी परिशोधन के आप पेयजल के रूप में सप्लाई कर रहे हैं या लोगों को पीने के लिए मजबूर कर रहे हैं?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री एल० एम० फोतेदार): मैं माननीय सदस्य जी को यह आश्वासन देना चाहता हूं कि दिल्लीवासियों का शरीर स्वस्थ और प्रसन्न रखा जाएगा, इसमें कोई शक नहीं लेकिन दिल्ली में जो पानी दरकार है, जरूरत है, वह 70 गैलन पर कैपिटा पर डे है और इस वक्त... **(व्यवधान)**

श्री शंकर दयाल सिंह: टोटल कितना होगा?

श्री एम० एल० फोतेदार: आई से 70 गैलन पर कैपिटा पर डे।

श्री सभापति: पर परसन पर डे।

श्री एम० एल० फोतेदार: पर परसन पर डे।

श्री सभापति: यह तो स्टैंडर्ड है पूरी दुनिया में।

श्री एम० एल० फोतेदार: लेकिन हम देते हैं 50 गेलन पर डे और मैं इस बात से पूरा ...**(व्यवधान)** आप बात सुनिए...**(व्यवधान)**

श्री राम अवधेश सिंह: 50 गैलन कि 50 गिलास?

श्री एम० एल० फोतेदार: और मैं यह नहीं कह सकता हूं कि यह 50 गैलन जो है पर कैपिटा पर डे, वह साऊथ दिल्ली में मुमकिन है 100 गैलन मिलता हो और पीतमपुरा में मुमकिन है 5 ही गैलन मिलता हो। इसलिए मैं इन फिगर्स से भी पूरी तरह सहमत नहीं हूं लेकिन स्टैटिस्टिक्स के आधार पर दिल्ली में 50 गैलन पानी पर कैपिटा पर डे मिलता है और 50 गैलन पानी कैलकटा शहर में...**(व्यवधान)**

श्री सभापति: वैल ट्रीटेड, ट्रीटेड?

श्री एम० एल० फोतेदार: हां ट्रीटेड वाटर। और यह कैलकटा में 55 गैलन पर कैपिटा पर डे इस्तेमाल किया जाता है और वजह यह है कि किसी जगह नल के फटने से कहीं पानी प्रदूषित हो जाता है। उसके लिए यहां की सरकार, जो दिल्ली की राज्य सरकार है, वह समय-समय पर कदम उठाती है और किसी जगह यह भी होता है कि जहां पानी काफी नहीं है वहां पानी हैंड पाईप जैसे दिया जाता है और वहां मुमकिन है कि वहां पानी प्रदूषित हो लेकिन कोशिश यह की गई है कि उनकी टैस्टिंग लेबोरेट्री में की जाए और हमने दिल्ली में इस बात का पूरा ध्यान रखा है कि मोबाइल टैस्टिंग लेबोरेट्री जगह-जगह जाएं और वह दिन में हर एरिया में पानी की टैस्टिंग करें।

श्री शंकर दयाल सिंह: सभापति जी, मेरा दूसरा पूरक प्रश्न यह है कि यहां दिल्ली वाटर सप्लाई एंड सीवेज डिस्पोजल अंडरटेकिंग ने कई तरह की स्कीमें पिछले दिनों बनाई थीं और हर व्यक्ति इस बात को जानता है तथा अखबारों में भी आता रहा है कि यमुना में प्रदूषित पानी के कारण ही यह बीमारी फैल रही है और दिल्ली में लगभग साढ़े तीन हजार इंडस्ट्रियल यूनिट्स तो रजिस्टर्ड यूनिट्स हैं वजीरपुर से लेकर नौएडा तक, जिनका डिस्पोजल जो है वाटर का वह जमुना में होता है। वाटर पौल्यूशन ऐक्ट के अनुसार यह जरूरी है कि जितने भी इंडस्ट्रियल यूनिट्स हैं, वे परिशोधन के बाद पानी डिस्चार्ज करें नदियों में और इसको लेकर कई बार सदन में बातें हुई हैं। मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि

पिछले एक साल के अंदर सरकार ने कितने ऐसे इंडस्ट्रियल यूनिट्स को दोषी पाया है जिन्होंने इस ऐक्ट का वॉयोलेशन किया हो, यमुना में बिना परिशोधित वाटर डिस्चार्ज किया हो जिसके कारण पानी प्रयोग में लाने से ये बीमारियां फैल रही हैं और सरकार इनकी रोकथाम के लिए क्या कार्यवाही कर रही है और अब तक उनको दंड देने की क्या कार्यवाही की गई है?

श्री एम. एल. फोतेदार: मैं ऑनरेबल मेंबर से इतना कह सकता हूं कि इसके लिए एक सैपरेट नोटिस होनी चाहिए क्योंकि सवाल आपने पूछा है कि दिल्ली में जो वाटर बौर्न डिजीजेज हैं लेकिन फिर भी आपकी आगाही के लिए मैं कहना चाहता हूं कि दिल्ली में इन बीमारियों की रोकथाम के लिए दिल्ली ऐडमिनिस्ट्रेशन ने क्या-क्या किया है। अगर आप चाहें तो मैं लिखकर भेज दूंगा।

श्री सभापति: नहीं इनका प्रश्न यह है कि जो इंडस्ट्रियल यूनिट्स एफलुयेंट्स हैं, इनसे जो रोग हो रहा है, उसके लिए आप क्या कर रहे हैं? यही है ना आपका प्रश्न?

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH : I want to tell him in English because he has not followed me in Hindi. The Delhi Water Supply and Sewerage Disposal Undertaking has taken up various steps to prevent and control pollution of the Yamuna in Delhi. The Yamuna in Delhi is polluted mainly due to domestic waste water discharge and also industrial discharge. Therefore, I want to know from the honourable Minister what action he has taken against those units and those people discharging domestic waste water into the Yamuna without the waste water being treated.

SHRI M. L. FOTEDAR : I must tell the honour able Member that this question pertains to the Ministry of Environment and I do not have the details. So We would like to have a separate notice.

MR. CHAIRMAN : But you know that there is some work being done on the Yamuna also.

SHRI M. L. FOTEDAR : Yes, work is being done. The work is being done....(*Interruptions*)....

SHRI S. JAIPAL REDDY : Sir, the question relates to polluted water in Delhi and it does not relate to pollution as such. Therefore, it falls completely within the purview of his Ministry....(*Interruptions*)..

MR. CHAIRMAN : I have seen it. The question framed by my friend behind you, Shankar Dayalji refers to the effluents being discharged by industrial units and that does not come within the purview of his Ministry. Kamal Nathji is the right person for that.....(*Interruptions*).....

SHRI CHIMANBHAI MEHTA : Sir, it relates to diseases due to use of contaminated water.....(*Interruptions*).....

DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY : It is not just a question of pollution alone....(*Interruptions*).....

MR. CHAIRMAN : Now, Mr. Pratap Mishra.

डा. बापू कालदाते: सवाल पॉलयुशन का है। किसी भी कारण पॉलयुशन हो उसके बारे में आपको जवाब देना होगा। सवाल पॉलयुशन के बारे में पूछा गया था।

श्री एम. एल. फोतेदार: मैं आपको इस बात का विश्वास देना चाहता हूं कि दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन के नोटिस में फौरी तौर पर इस बात को लाया

जायेगा और इसके लिए जो जरूरी कदम उठाने हैं वह उठाये जायेंगे।

SHRI SHIV PRATAP MISHRA : Sir, whatever the honourable Minist may say, the fact remains that our national Capital, Delhi, still languishes for want of proper drinking water. So far, no improvement has been made in the direction of ensuring proper treatment and cleaning of the Jamuna water and providing adequate storage facilities. So, Sir, sometimes the industrial drainage pipes, sewage pipes and the drinking water pipes get interconnected resulting in the outbreak of epidemics like cholera, diarrohoea, jaundice, etc. I would like to know whether the Government has got details with regard to the outbreak of such diseases and, if so, what preventive measures have been taken to curtail and control them.

SHRI M. L. FOTEDAR : Sir, it pertains to the other Ministry ....(*Interruptions*)....

MR. CHAIRMAN : Are you making arrangements to see that those who do not get water are not force to take the contaminated water ?

SHRI M. L. FOTEDAR : Sir, we are making arrangements to see that whatever water is being supplied to the citizens of Delhi, that water is clean and that is filtered water and we are taking necessary steps to have the laboratory test also....(*Interruptions*)....

MR. CHAIRMAN : He wants to know what steps you are going to take to supply water so that they are not forced to take unpurified water from the Jamuna.

SHRI M. L. FOTEDAR : We will take the necessary steps, Sir.

MR. CHAIRMAN Yes, Dr. Jain.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN : Sir, the figure of person effected by water-borne diseases reported by the honourable Minister seems to be very low. I would like to know whether he has included only the virus diseases or the bacteria-caused diseases or he has included the parasites also.

Secondly, Sir, he has reported the incidence of such diseases only in two areas with 100 cases in one village. I would like to know whether he has got the figures of cases of typhoid and jaundice which have been admitted so far during the last three months in the various hospitals in Delhi. I am asking this because that itself would prove my point that what the honourable Minister has reported is far less.

SHRI M. L. FOTEDAR : May be, Sir, that the honourable Mamber has got more information. But the information given to me by the Delhi Administration is that 100 persons in Asola village are reported to be suffering from fever and vomitting out of whom ten have been admitted in the hospital and I am told by the Delhi Administration that two deaths have taken place in Asola village. So far as jaundice cases are concerned, from the 1st of January till last week, 54 cases of jaundice have taken place and there is no mortality figure.

MR. CHAIRMAN : Yes Mr. Ram Naresh Yadav.

श्री राम नरेश यादव : महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने जो उत्तर दिया है वह कई गांवों से सम्बन्धित है। वास्तविक रूप से देखा जाए तो केवल असोला गांव और पीतमपुरा दो गांव ऐसे हैं जो प्रदूषित जल पीने की वजह से प्रभावित हुए हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि वहां पर बहुत से कुएं

भी हैं, पुराने कुएं, जिन कुओं का पानी लोग पीते हैं। और साथ-साथ जो हैण्ड पम्प, इंडिया मार्क-2 लगते हैं वह ऐसी जगहों पर लगते हैं जहां पर गड्ढा होता है ताकि पानी आसानी से मिल सके। इसलिए मैं यह जानना चाहता हूं कि (अ) क्या ऐसे देहातों में जिनमें ये कुएं हैं जिन कुओं से आज भी लोग पानी पीते हैं और हैण्ड इंडिया मार्क-2 लोग गड्ढों के किनारे लगाते हैं उनको बंद करने के लिए सरकार कोई कार्यवाही करेगी क्योंकि सौ सौ आदमी इस तरह के पानी को पीने से प्रदूषण के शिकार हो जाते हैं, इसलिए उसको बंद करने के लिए सरकार कोई व्यवस्था करने जा रही है या उस पानी को ठीक करने के लिए क्या सरकार कोई कदम उठाने जा रही है? (ब) दूसरी बात आपने कही कि पानी के टैंकरों के माध्यम से पेय-जल की आपूर्ति की गई और वह उस समय की गई जब सौ लोग बीमार थे। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या माननीय मंत्री जी इस काम को आगे भी जारी रखेंगे ताकि वहां के लोग बीमारियों के शिकार न होने पाये? ...(व्यवधान)। यह बड़ा खतरनाक मामला है। दिल्ली की हालत, दिल्ली के गांवों की हालत, बड़ी खराब है और लोग परेशान हो रही है।

श्री एम. एल. फोतेदार: मैं आनरेबल मेम्बर से यह कहना चाहूंगा कि जहां कहीं ऐसे पम्प्स हैं जो पोल्यूशन से प्रदूषित हों और उनका पानी पीने के लायक नहीं है उन पर एक लाल निशान लगा रखा है ताकि लोगों को यह पता चले कि यह पानी पीने के लायक नहीं है। दूसरी बात यह है कि जैसा मैंने कहा, दिल्ली में मोबाइल लेबारटरीज लगा रही हैं जिसमें एक जूनियर इंजीनियर मौके पर पानी का टैस्टिंग करता है। तीसरी बात आपने पूछी है कि आने के लिए सरकार क्या काम कर रही है? मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार हमेशा से तत्पर है ताकि वाटर बोर्न डिजीजज से छुटकारा मिले और कहीं भी ऐसी बात न हो। जहां तक वाटर टैंकर का सवाल है, मुझे दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया है कि जहां पानी की कमी है वहां वे वाटर टैंकर भेजते हैं और दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन से कहूंगा कि उन जगहों पर वाटर टैंकर भेजना जारी रखें।

श्री सभापति: जहां पाइप फट जाती है वहां वाटर टैंकर भेज देंगे।

श्री राम नरेश यादव: महोदय, मेरा प्रश्न यह है कि पानी के टैंकर के माध्यम से पेय जल की आपूर्ति की गई। अब वह क्यों बंद कर दी गई है? क्या उसको जारी रखेंगे?

श्री सभापति: पीतमपुरा में पाइप फट गई थी, लेकिन वह अब ठीक कर दी गई है।

श्री राम नरेश यादव: यह 16 गांवों का मामला है। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि वहां पर पाइप फटी नहीं है। जो हैण्ड पम्प का पानी पीते हैं उनके लिए आप क्या कर रहे हैं?

श्री सभापति: यह तो पीतमपुरा का सवाल था।

श्री एम. एल. फोतेदार: दिल्ली एडमिस्ट्रेशन के नोटिस में मैं यह बात लाऊंगा।

SHRI JAGMOHAN: Sir, my question is whether the hon. Minister is aware that in Delhi quite a number of lines are old and rusted and they create a lot of contamination of water and whereas there is arrangement for testing the water at the source, there is hardly any effective arrangement for testing water at the supply end and there is no arrangement, particularly in the hostels, at the hospitals for cleaning the storage tanks and for periodic examination of these tanks. And it is the water from these storage that causes most of the diseases like typhoid and so on.

SHRI M. L. FOTEDAR : Sir, I am aware of this. I have said that we have got the mobile tanks which are going from place to place, giving treated water. So far as this point is concerned whether in different hostels water is going to be tested, I have taken note of it. We will make arrangements.

MR. CHAIRMAN : Will you see that where there is storage....

SHRI M. L. FOTEDAR : Sir, I have told him that I have taken note of it.

MR. CHAIRMAN : Question No. 363.

SHRI ARANGIL SREEDHARAN : Sir, this side is completely ignored. We never got an opportunity....

MR. CHAIRMAN : The Question was from your party. I have given him....(*Interruptions*) No, no. This is my right. I have a right to use it as I like it.

SHRI ARANGIL SREEDHARAN : It is not used properly...

MR. CHAIRMAN : I think, this is a very unfair remark of yours. And you being a senior man, having your experience in the State Assembly also, should not say it. That is all I would say.

DR. RAJA RAMANNA : But still we feel that you have not given time for this side ...

MR. CHAIRMAN : Then I cannot give all the time to the experts only. Question No. 363. (*Interruptions*) I have to Cover Questions.

AN HON. MEMBER : He should also be given a chance.

MR. CHAIRMAN : I give him an opportunity when I feel that it is possible and his Party has not got a chance.

SHRI S. JAIPAL REDDY : We are happy that you have taken note.

SHRI K. G. MAHESHWARAPPA : What action will follow ?

MR. CHAIRMAN : The action will depend.

Question No. 363.

House Tax in Delhi

*363. SHRI SHAMIM HASHMI : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Municipal Corporation of Delhi causes harassment in respect of house tax to law-abiding citizens who have been paying house tax regularly ; and

(b) if so, whether a standing Tribunal is proposed to be set up for speedy action to stop the harassment and erosion of public confidence ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M.M. JACOB) : (a) No, Sir.

(b) There is no such proposal under consideration of the Government at present.

श्री शमीम हाशमी : चेयरमैन साहब, जो लोग रेगुलरली टैक्स दे रहे हैं, जो ला अबाइडिंग सिटिजन्स हैं उन पर तो आपने पीछे से इन्हांस करके नोटिस कर दिया है कि वे हाउस टैक्स पीछे की तारीखों से दें। मैं यह दरख्वास्त करूंगा कि आप पहले यह बतायें कि ला अबाइडिंग सिटिजन जो रेगुलरली हाउस टैक्स दे रहे हैं, इन्हांस टैक्स के बैक डेट से रियलाइजेशन के लिये, आपने कितने लोगों को नोटिस दिया है?

दूसरा आप यह बतायें कि जो कानून को नहीं मानते हैं और पिछले तीस सालों से टैक्स नहीं दे रहे हैं उनकी तादाद क्या है और उनके खिलाफ आप क्या कार्रवाई कर रहे हैं? वह लोग जो पांच साल से टैक्स नहीं दे रहे हैं, जिनके दरवाजे पर आप पूछने नहीं जाते हैं, उनकी तादाद क्या है और उन पर आप क्या कार्रवाई करेंगे? और वह जो दस साल से टैक्स नहीं दे रहे हैं और जिनके दरवाजे पर जाने की आपको जुर्रत नहीं होती, उनकी तादाद क्या है और उनके खिलाफ आप क्या कार्रवाई कर रहे हैं ?